ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर के क्रियान्वयन हेतु मध्यप्रदेश के अग्रणीय शासकीय महाविद्यालयों और सभी शासकीय विश्वविद्यालयों का मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न |

मध्यप्रदेश राज्य सूचना विज्ञान केन्द्र तथा उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश के मध्य ई-ग्रंथालय परियोजना को क्रियान्वयन करने हेतु 02 अगस्त,2022 को अनुबंध हुआ। ई-ग्रंथालय क्रियान्वयन का पहला चरण पूरा करने की दिशा में उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. अग्रसर हैं। उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. द्वारा प्रदेश के 16 शासकीय विश्वविद्यालयों तथा 51 अग्रणीय महाविद्यालयों हेतु e-Granthalaya सॉफ्टवेयर का आवासीय प्रशिक्षण आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा अकादमी, भोपाल, मध्यप्रदेश में दिनांक 12/09/2022 से 14/09/2022 तक आयोजित किया गया। अग्रणीय महाविद्यालयों एवं सभी विश्वविद्यालयों के 61 ग्रंथपाल/नोडल अधिकारीयों को **राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC)** द्वारा ई-ग्रंथालय का सफलता पूर्वक प्रशिक्षण दिया गया।

उक्त अवसर पर दिल्ली से पधारे श्री राम कुमार मतोरिया, वैज्ञानिक एफ / विभागाध्यक्ष ई-ग्रंथालय परियोजना द्वारा ई-ग्रंथालय के विभिन्न माड्यूल्स पर व्याख्यान दिया गया साथ ही सभी ग्रंथपालों को प्रत्येक सत्र में कम्प्यूटर पर प्रैक्टीकल भी कराया गया।

इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण के समापन अवसर पर श्री सुनील कुमार सिंह, अतिरिक्त प्रोजेक्ट डॉयरेक्टर, RUSA वर्ल्ड बैंक, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा बताया गया कि ई-ग्रथालय के माध्यम से सभी 528 महाविद्यालय एवं 16 विश्वविद्यालय को आपस में जोड़कर प्रदेश के पुस्तकालयों को आधुनिक तरीके से अपडेट करने की योजना से विद्यार्थीयों द्वारा डिजिटल लाईब्रेरी का उपयोग सुगमता से किया जा सकेगा।

श्री कमलेश जोशी, वैज्ञानिक एफ एवं अतिरिक्त राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी, एनआईसी द्वारा बताया गया कि डिजिटल इंडिया और डिजिटल एजुकेशन की दशा में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा समस्त महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में ई-ग्रंथालय से जुड़ना बहुत बड़ा कदम माना जा सकता है। लाईब्रेरी ऑटोमेशन को सफल बनाने में एनआईसी द्वारा हरसंभव प्रयास किये जायेंगे।

श्री प्रमोद चतुर्वेदी, प्रशिक्षण, प्रभारी, नरोन्हा अकादमी ने एनआईसी के द्वारा अकादमी में नेशनल नॉलेज नेटवर्क के माध्यम से फ्री इंटरनेट सुविधा, ई-ऑफिस का सफलता पूर्वक क्रियान्वयन तथा उच्च शिक्षा विभाग हेतु ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर द्वारा लाईब्रेरी ऑटोमेशन किये जाने के लिये एनआईसी के योगदान की सराहना की।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल की लाईब्रेरीयन श्रीमती प्रज्ञा गुप्ता ने बताया कि ई-ग्रंथालय क्लाउड बेस्ड (ऑनलाईन) सॉफ्टवेयर होने के कारण ग्रंथपाल सर्वर एवं डाटाबेस के रखरखाब की जिम्मेदारी से मुक्त रहेंगे तथा मोबाईल बेस्ड होने के कारण ग्रंथपालों तथा छात्रों के लिये ज्यादा उपयोगी रहेगा।

श्री जितेन्द्र पाराशर, वैज्ञानिक डी , राज्य समन्वयक, ई-ग्रंथालय, एनआईसी द्वारा यह बताया गया कि ई-ग्रंथालय में कॉलेजों का समूह बनाकर पुस्तकालयों के क्लस्टर के लिये एक केन्द्रीकृत डाटाबेस स्थापित किया जा रहा है, जिससे मध्यप्रदेश के सभी महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय इंटरनेट के माध्यम से आपस में जुड़ सकेंगे और पुस्तकालयों की जानकारी का आदान-प्रदान कर सकेंगे। सभी प्रशिक्षणार्थियों को उच्च शिक्षा विभाग एवं अकादमी द्वारा प्रशिक्षण सर्टिफिकेट प्रदान किये गये।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की चित्रमय झांकी